हे विनय विनायक विनती करा श्री गणेश वंदना

हे विनय विनायक विनती करा,
म्हारे आंगन आप पधारो जी,
निर्बल रा बल प्रभु आप ही हो,
निर्धन रा धन प्रभु आप ही हो,
मन मंदिर में सत्कार करा,
म्हारे आंगन आप पधारो जी।bd।

हे आदि देव हे अनादि देवा,
थाने भोग लगावा लाडू मेवा,
हे अष्ट सिद्धि नव निधि दाता,
थाने चंवर डुला मनवार करा,
म्हारे आंगन आप पधारो जी।

हे विनय विनायक वीनती करा,
म्हारे आंगन आप पधारो जी।bd।

गौरी नंदन हे अष्ट विनायक,
दु:ख भंजन हे सुखदायक,
भवसागर सु म्हाने पार करो,
थारा चरणा में अरदास करा,
म्हारे आंगन आप पधारो जी।

हे विनय विनायक वीनती करा,
म्हारे आंगन आप पधारो जी।bd।

भोलेनाथ रा थे भंडारी हो,
आदिशक्ति रा शक्ति प्रभारी हो,
थे जगत पिता त्रिपुरारी हो,
थाने बारम्बार प्रणाम करा,
म्हारे आंगन आप पधारो जी।

हे विनय विनायक वीनती करा,
म्हारे आंगन आप पधारो जी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com
हे विनय विनायक विनती करा,

म्हारे आंगन आप पधारो जी,
निर्बल रा बल प्रभु आप ही हो,
निर्धन रा धन प्रभु आप ही हो,
मन मंदिर में सत्कार करा,
म्हारे आंगन आप पधारो जी।bd।

एल्बम
“म्हारा सांवरिया गिरधारी”
गायक
“श्री सम्पत दाधीच”
संगीत
“श्री सतीश देहरा”
संपर्क
+91 98280 65814

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com